Q. No. 04

7. **What do you mean by Incidence Infect and sitting Explain the Incidence of a for under different cost conditions?**

कर का दबाव कर भार एवं कर निर्वहन से आप क्या समझते है? विभिन्न लागतो की स्थितियों में कर भार का निर्धारन किस तरह होता है।

'अथवा'

नियम के अन्तर्गत कर भार के नियमों का विश्लेशण किजिए।

'अथवा'

लागत में परिवर्तन के कारण कर भार में किस प्रकार परिवर्तित होता है।

Ans :- उत्पति के विभिन्न नियमो के अन्तर्गत कर भार का निर्धारन विभिन्न तरीको से होता है।

(l) Low of INC R

Or Low of DEM Cost

उत्पादन जब उत्पत्ति वृद्धि नियम के अन्तर्गत होता है तो जिस अनुपात में उत्पादन में वृद्धि होती है दुसरे शब्दों में उत्पादन में वृद्धि होने से औसत उत्पादन लागत घटती है एवं उत्पादन घटने से प्रति वस्तु उत्पादन लागत अर्थात औसत उत्पादन लागत बढ़ती है। सरकार जब कर लगाती है तब वस्तु क मूल्य में वृद्धि होती है। मूल्य में वृद्धि होने से मांग धट जाती है, मांग के घटने से उत्पादन को घटा दिया जाता है उत्पादन घटने से औसत लागत बढ़ती है इसलिए करों का अधिकांश भार क्रेताओं पर पड़ता है।

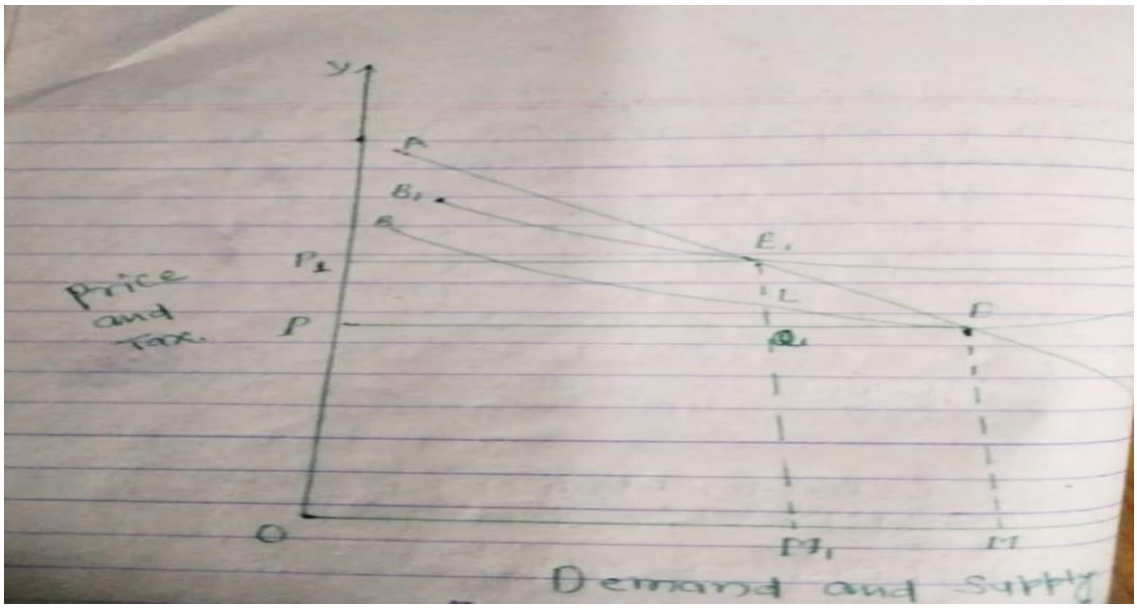

AD मांग की रेखा एवं BS पूर्ति की रेखा है संतुलन बिन्दु E है एवं मूल्य OP है कर लगने के बाद पूर्ति का वक्र BS विस्थापित एवं मूल्य OP से बढ़कर OP हो जाता है इस प्रकार कर की में रकम E_1L_I के बराबर होती है जबकि मूल्य वृद्धि $Q_1 E_1$ होती है रेखाचित्र से स्पष्ट है कि $Q_1 E > E_1L_I$ अर्थात् मूल्य में वृद्धि करा भी रकम से अधिक की जाती है ऐसा इसलिये होता है कि कर लगने के फलस्वरूप जब वस्तु का मूल्य बढ़ता है। तो मांग घटती है अतः पूर्ति को भी घंटना पडता है। पूर्ति को घटाने से पूर्ति प्रति इकाई लागत में वृद्धि होती है। अतः कर की रकम में लागत वृद्धि को जोड़कर मूल्य में वृद्धि कि जाती है इसलिए मूल्य में वृद्धि कर कि रकम से अधिक होती है अतः क्रेताओं को कर की राशि से अधिक भार वहन करना पड़ता है।

(II) LOW OF DEM RET (Low OF INCR Cost)

उत्पत्ति ह्यास नियम के अन्तर्गत जिस अनुपात में साधनों में वृद्धि की जाती है इससे इस अनुपात उत्पादन में वृद्धि होती है इसलिए उत्पादित उत्पादा के बढ़ने पर प्रति इकाई लागत में कमी होती है। अतः उत्पत्ति हास नियम को लागत वृद्धि नियम कहा जाता हैं।

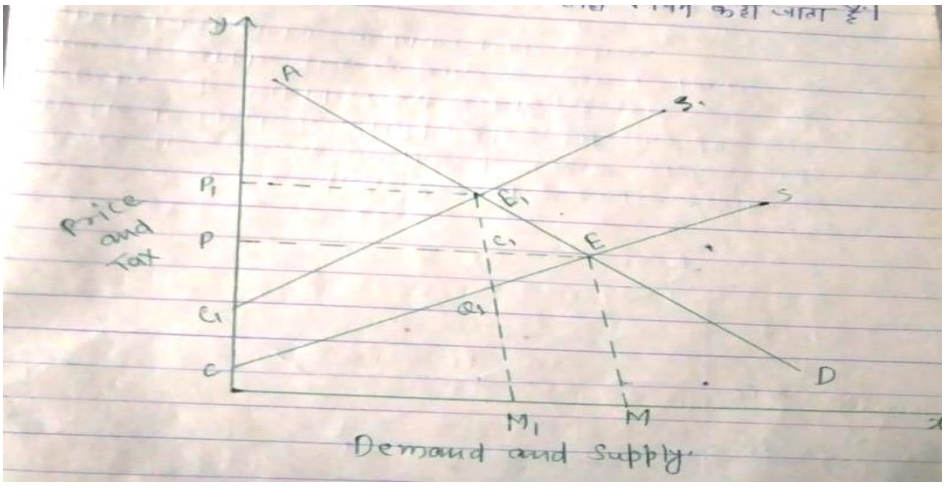

मांग की रेखा एवं CS पूर्ति की रेखा है। तथा मूल्य OP है, कर लगने के कारण पूर्ति की रेखा CS विस्थापित होकर C_1S_1 हो जाती है एवं मूल्य वच से बढ़कर OF_1 हो जाती है। रेखाचित्र से स्पष्ट हो। कि कर रकम Q_1 E_1 है एवं मूला में वृद्धि L_1E_1 होती है। यह इसलिए $E_1L_1 > E_1Q_1$ अर्थात कर की रकम के अपेक्षा मूल्य में वृद्धि कम होती है कर का E_1L_1 भार क्रेताओं पर तथा $L_1 Q_1$ भार विक्रेताओं पर पड़ता है। कर का का अधिक भार क्रेता पर पड़ेगा या विक्रेता पर यह मांग की लोच एवं पूर्ति की लोच पर निर्भर करता है।

$$\frac{lb}{ls} = \frac{Es}{Ed}$$

(III) LOW OF CONSTANT RET (Low of Cons of Tax Cost)

उत्पत्ति समता नियम के अन्तर्गत जिस अनुपात में साधन में वृद्धि कि जाती है उसी अनुपात में उत्पादन में वृद्धि होती है। अर्थात जिस अनुपात में उत्पादन में वृद्धि की जाएगी उसी अनुपात में लागत में भी वृद्धि होगी। दुसरी शब्दों में उत्पादन के घटने या बढ़ने से औसत लागत स्थिर रहती हैं।

PS पूर्ति को रेखा एवं AD मांग की रेखा है। वस्तु का मूल्य QP है कर लगने के फलस्वरूप पूर्ति की रेखा PS विस्तापित होकर $P_1 S_1$ हो जाता है कर की रकम $E_1 L_1$ एवं मूल्य में वृद्धि भी $L_1 E_1$ है। अर्थात कर की रकम के बराबर ही मूल्य में वृद्धि की जाती है अर्थात कर का सारा भार क्रेताओं पर पडेगा।

CONCLUSION

उत्पत्ति वृद्धि नियम के अन्तर्गत क्रेताओं पर कर की रकग से अधिक गार पडता है। उत्पत्ति हा नियम के अन्तर्गत कर मार क्रेताओं एवं विक्रेताओं के बीच पूर्ति की लोच एवं मांग की लोच अनुपात में विभाजित हो जाता है जबकि उत्पत्ति संगता नियम के अन्तर्गत कर का सारा भार क्रेताओं पर पड़ता है।